

## Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 09 मार्च, 2023

### ड्राइवरों हेतु दृष्टिपरीक्षण

सड़क सुरक्षा पर सर्वोच्च न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति के अवलोकन के अनुसार, सड़क दुर्घटनाओं के परणिमस्वरूप प्रत्येक वर्ष 1.5 लाख लोगों की मृत्यु हो जाती है, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा योजना (National Road Safety Plan- NRSP) में ड्राइवरों हेतु दृष्टिपरीक्षण कराना अनविरय किया गया है। स्वास्थ्य और परवार कल्याण मंत्रालय (Ministry of Health and Family Welfare- MoHFW) के अनुसार, यातायात सुरक्षा अनुसंधान समूहों का मानना है कि ड्राइवरों के बीच अस्पष्ट दृष्टिका मुद्दा आम समस्या है और नियमित नेत्र परीक्षण के फलस्वरूप सड़क दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है एवं सड़क सुरक्षा तथा चालकों की भलाई के लिये नियमित नेत्र परीक्षण को शामिल किया जाना चाहयि। जबकि MoHFW ने इस कदम को मंजूरी दे दी है, सड़क प्रविहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) को अब अपनी सड़क सुरक्षा गतिविधियों में नियमित दृष्टिपरीक्षण को शामिल करना चाहयि। MoRTH वर्तमान में नेत्र जाँच शिविर का आयोजन एक बार करता है। MoRTH द्वारा आयोजित स्क्रीनिंग कैंप में भाग लेने के अलावा Sightsavers India पछिले पाँच वर्षों में प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्गों पर 'राही - नेशनल ट्रैकर्स आई हेल्थ प्रोग्राम' नामक एक परियोजना चला रहा है।

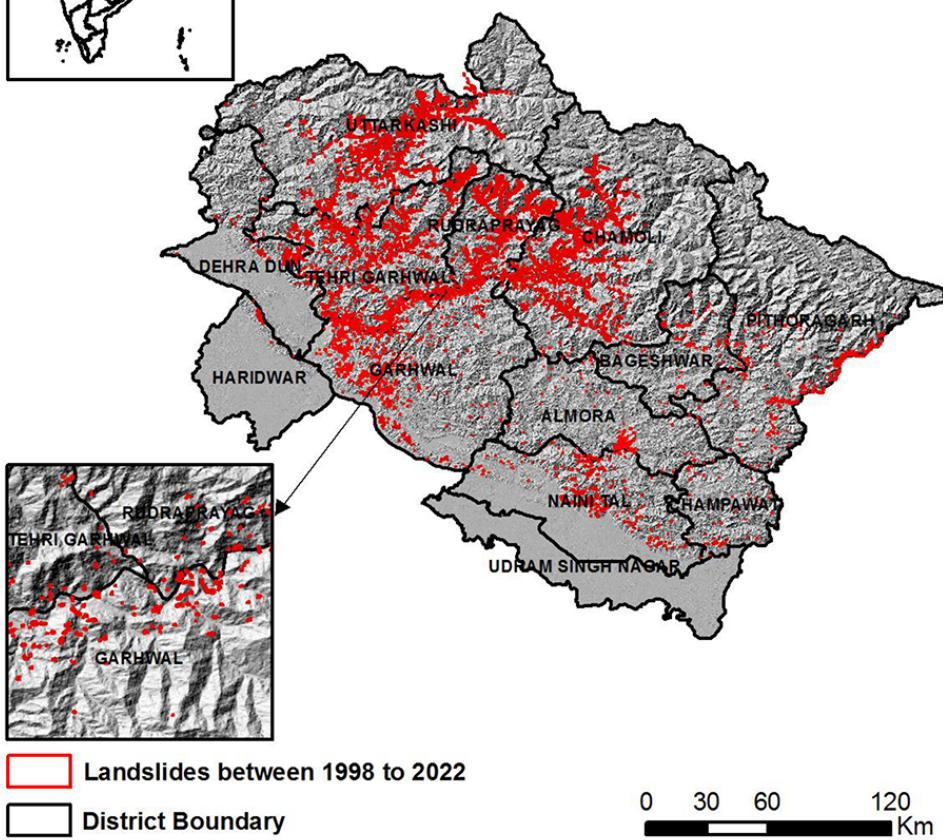
और पढ़ें... [भारत में सड़क दुर्घटनाएँ: प्रभाव और आगे की राह](#)

### भारत के सबसे अधिक भूस्खलन-प्रवण ज़िले

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) के उपग्रह डेटा के अनुसार, देश में उत्तराखण्ड के रुद्रप्रयाग और टहिरी गढ़वाल सबसे अधिक भूस्खलन-प्रवण ज़िले हैं। हाल ही में [उत्तराखण्ड के जोशीमठ का मामला भूस्खलन](#) बड़ी घटनाओं में से एक है। कुछ अन्य उदाहरणों में [2013 में केदारनाथ में आपदा](#) और [2011 में सकिकमि भूकंप](#) के कारण हुए भूस्खलन शामिल हैं। वैश्वकि स्तर परप्राकृतिक आपदाओं में होने वाली मौतों के मामले में भूस्खलन तीसरे स्थान पर है। भारत उन चार प्रमुख देशों में शामिल है जहाँ भूस्खलन का खतरा सबसे अधिक है। देश में लगभग 0.42 मिलियन वर्ग किलोमीटर भू-स्खलन संभावति क्षेत्र है, जो देश के कुल भूमिक्षेत्र का 12.6% है।



## Landslides recorded in Uttarakhand



और पढ़ें... [भूस्खलन](#)

## H3N2 का प्रकोप

दसिंबर 2022 से जनवरी 2023 तक पूरे भारत में सर्दी, गले में खराश, बुखार और थकान से संबंधित लक्षणों के साथ साँस की बीमारी का प्रकोप देखा गया है। [इंडियन काउंसलि ऑफ मेडिकल रसिरच \(ICMR\)](#) के अनुसार, इन्फ्लुएंजा का उपभेद H3N2 बीमारी का सत्यापिति कारण रहा है। यह वायरस अन्य इन्फ्लुएंजा उपभेदों की तुलना में अस्पताल में अधिक मरीज़ों के भरती होने का कारण बना। टाइप ए, बी, सी और डीमौसमी इन्फ्लुएंजा वायरस के चार अलग-अलग उपप्रकार हैं। जब इन्फ्लुएंजा ए और बी वायरस फैलते हैं तो उसके परणिमस्वरूप बीमारी का वार्षिक प्रकोप देखने को मिलता है। इन्फ्लुएंजा वायरस एकमात्र इन्फ्लुएंजा वायरस है जो फ्लू महामारी (अर्थात् फ्लू रोग की वैश्विक महामारी) के रूप में पहचाना जाता है। WHO ने जून 2009 में H1N1 महामारी की घोषणा की। स्वाइन फ्लू का प्रकोप इसका दूसरा सामान्य रूप है। वर्ष 2009 से पूरव इन्फ्लुएंजा ए (H1N1) वायरस H1N1 महामारी का कोई भी मानवीय संक्रमण नहीं था। आनुवंशिक अध्ययनों के अनुसार, यह इन्फ्लुएंजा वायरस पशुओं के माध्यम से फैलता है जो मौसमी वायरस H1N1 वायरस से संबंधित नहीं है। हालाँकि भारत में वर्ष 2013 में एक महत्वपूर्ण स्वाइन फ्लू नामक महामारी की पहचान की गई।

## WHAT IS H3N2 INFLUENZA

H3N2 influenza, also known as the "Hong Kong flu," is a subtype of the Influenza A virus that can cause respiratory illness in humans.

This subtype has caused **several influenza outbreaks in the past.**



### Behind the sudden outbreak

Recently, the IMA's Standing Committee for Anti-Microbial Resistance said air pollution may be one of the reasons behind the viral surge.



The change in weather may also be causing the surge. The cases are expected to go down by April when the temperature increases.



NEWS 18 creative

और पढ़ें... [स्वाइन फ्लू महामारी, 2009](#)

## अट्टुकल पॉगल

विश्व में महलियों के सबसे बड़े महोत्सव में से एक माने जाने वाले इस त्योहार में लगभग 15 लाख महलियों ने त्रिविनन्तपुरम, केरल के वार्षिक अट्टुकल पॉगल उत्सव में भाग लिया। इस उत्सव में केरल के त्रिविनन्तपुरम में अट्टुकल भगवती मंदिर के देवता को चावल से बनी एक मठिई पॉगल चढ़ाई जाती है। दस दिवसीय इस उत्सव का मुख्य आकर्षण नौवें दिनि चढ़ाई जाने वाली सामूहिक भैंट है। जहाँ राजधानी में प्रदेश भर से बड़ी संख्या में महलियाँ पहुँचती हैं। वर्ष 2009 में इस अनुष्ठान ने एक ही दिन में महलियों की सबसे बड़ी धार्मिक सभा के रूप में गनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में जगह बनाई थी, जब इसमें 2.5 मिलियन से अधिक महलियों ने भाग लिया था। अट्टुकल मंदिर को "महलियों का सबरीमाला" कहा जाता है क्योंकि यहाँ केवल महलियाँ ही अनुष्ठान करती हैं, जबकि सबरीमाला में मुख्य रूप से पुरुष ही भगवान अयप्पा के पहाड़ी मंदिर की तीरथ यात्रा करते हैं।

और पढ़ें... [सबरीमाला मंदिर, भारत में मंदिर](#)

PDF Reference URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-09-march-2023>